

**कार्यालय
राष्ट्रीय प्राथमिक शिक्षा परिषद,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।**

संख्या - प्राथिप/परिषद सम्प्रदाय/२०१९/११२

लखनऊ दिनांक १६-५-२०१९

-कार्यालय प्रेष-

अधिकांश सरकारी/अर्धसरकारी शिक्षा परिषद द्वारा वार्षिक सत्र २०१९-२० हेतु विभागात्मक/राज्य/राज्यीय शिक्षा समझौते को अनुमोदन प्रदान किए जाने के सम्बन्ध में अधिकांश प्राथमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश के सम्प्रदाय/सम्प्रदाय विभाग प्रदान किए जाने हेतु दिनांक १४-५-२०१९ को उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार को अवगत में अधिकांश कार्यालय में भेजा गया है। किन्तु वे सत्र २०१९-२० हेतु प्राथमिक शिक्षा समझौते को सम्प्रदाय/पूर्व से सम्बन्धित सरकारी/अर्धसरकारी/सम्प्रदाय विभाग/कार्यक्रम/पत्रों/पत्रों/पत्रों/पत्रों हेतु सत्र २०१९-२० हेतु सम्प्रदाय प्रदान किये जाने का निर्णय किया गया।

उत्तर के अनुमोदन में सम्प्रदाय समिति की बैठक को सं. ११-११ में विभागात्मक इस सरकारी प्राथमिक शिक्षा समझौते करने वाली पूर्व से सम्बन्धित सेवा का प्रत्येक एक गया। सम्प्रदाय समिति द्वारा सत्र शिक्षा-सिखाई कर-सिखाई निर्णय किया गया -

ऐसी व्यवस्थापित डिप्लोमा इन कार्नेली संस्थाएं जिन्हें सत्र २०१९-२० हेतु ए०आई०सी०टी०ई० द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है, परंतु पी०सी०आई० द्वारा अनुमोदन प्रदान नहीं किया गया है, एवं परिषद की निरीक्षण समिति द्वारा निरीक्षणोपरांत ए०आई०सी०टी०ई० द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों के अनुसूच सत्र २०१९-२० हेतु परिषद से सम्प्रदाय प्रदान किये जाने हेतु संसुति प्रदान की गयी है, के संबंध में समिति द्वारा विचार-विमर्श किया गया एवं निर्णय लिया गया कि ऐसी संस्थाओं को पी०सी०आई० अनुमोदन पत्र प्राप्त हो जाने के उपरांत प्रथम वर्ष में प्रवेश के संबंध में बैठक आहूत कर ली जाये जिससे संबंधित संस्थाओं को संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद द्वारा आयोजित कार्यन्वितान में सम्मिलित कराया जा सके।

उक्त विभागात्मक सम्बन्धित सेवा को परिषद की सम्प्रदाय समिति द्वारा निर्णय एवं निर्णय के उपरांत एवं अधिकांश प्राथमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सत्र २०१९-२० हेतु विभागात्मक सत्रों से उचित पाठ्यक्रम एवं सत्रों अधिकांश प्रेष प्रेषा हेतु सम्प्रदाय प्रदान की जाती है -

क्र. सं.	संस्था का नाम	सम्प्रदाय सं. सं.	सम्प्रदाय सं. सं.	ए०आई०सी०टी०ई०/पी०सी०आई० द्वारा अनुमोदित/सं. सं.	परिषद द्वारा अनुमोदित/सं. सं.
१	एन. एम. इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, नयापली, नयापली, उत्तरप्रदेश	१२३४५६७८९	१२३४५६७८९	१२३४५६७८९	१२३४५६७८९

सम्प्रदाय हेतु सत्र

- ✓ सत्र ए०आई०सी०टी०ई० द्वारा निर्णय की गयी सत्रों का प्रेष प्रदान करनी।
- ✓ सत्रों सत्रों प्रेष अधिकांश प्राथमिक शिक्षा परिषद एवं १९९२ एवं अधिकांश प्राथमिक शिक्षा परिषद विभागात्मक १९९२ सत्रों एवं निर्णय किया एवं अधिकांश का अनुमोदन करनी एवं सुसूचित निर्णय समिति द्वारा निर्णय किया गयी।
- ✓ ए०आई०सी०टी०ई० हेतु सं. सं. १२३४५६७८९ / - उत्तर प्रदेश के उचित कार्नेली पाठ्यक्रम हेतु सं. सं. १२३४५६७८९ / - अधिकांश एवं सत्र सत्रों से उचित पाठ्यक्रम एवं उचित कार्नेली पाठ्यक्रम के अधिकांश हेतु सं. सं. १२३४५६७८९

- 1. The first step in the process of the cell cycle is the replication of DNA.
- 2. The second step is the condensation of the DNA into chromosomes.
- 3. The third step is the separation of the sister chromatids.
- 4. The fourth step is the movement of the chromosomes to opposite poles of the cell.
- 5. The fifth step is the division of the cell into two daughter cells.
- 6. The cell cycle is a continuous process that repeats itself over and over again.
- 7. The cell cycle is essential for the growth and development of an organism.
- 8. The cell cycle is also important for the repair and replacement of damaged cells.
- 9. The cell cycle is a highly regulated process that is controlled by a complex network of proteins and signaling molecules.
- 10. The cell cycle is a fundamental process that is shared by all living organisms.
- 11. The cell cycle is a key component of the cell's ability to respond to environmental changes.
- 12. The cell cycle is a critical part of the cell's overall function and survival.
- 13. The cell cycle is a complex and fascinating process that has been the subject of extensive research.
- 14. The cell cycle is a process that is essential for the maintenance of life.
- 15. The cell cycle is a process that is central to the study of biology.



NSF is pleased to support this project. The National Science Foundation is committed to supporting research that advances our understanding of the natural world.



